5- कहाँ रहेगी चिड़िया ?

आँधी आई जोर-षोर से,

डालें टूटी हैं झकोर से।

उड़ा घोंसला, अंडे फूटे,

किससे दुःख की बात कहेगी!

अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी ?

हमने खोला आलमारी को,

बुला रहे हैं बेचारी को।

पर वो चीं-चीं कर्राती है,

घर में तो वो नहीं रहेगी!

अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी ?

घर में पेड़ कहाँ से लाएँ,

कैसे यह घोंसला बनाएँ।

कैसे फूटे अंडे जोड़ें,

किससे यह सब बात कहेगी!

अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी ?

- महादेवी वर्मा

महादेवी वर्मा को 'आधुनिक युग की मीरा' कहा जाता है। इनका जन्म सन् 1907 ई. को फर्रूखाबाद, उ0प्र0 में हुआ था। इन्होंने साहित्य की विविध विधाओं पर लेखनी चलाते हुए हिंदी साहित्य को समृद्ध किया। 'नीहार', 'रश्मि', 'नीरजा', 'सांध्यगीत', 'दीपशिखा', 'पथ के साथी', 'शृंखला की कड़ियाँ' इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं। इनका निधन सन् 1987 ई. में हुआ।

अभ्यास

शब्दार्थ-

(क) इस कविता में जिन शब्दों का अर्थ आपको नहीं पता, उन्हें छाँटकर लिखिए।

(ख) इनका अर्थ अपने शिक्षक से पूछकर/शब्दकोश से खोजकर लिखिए।

1. **बोध प्रश्न**: उत्तर लिखिए -

(क) जोर-शोर से आँधी आने पर क्या-क्या हुआ ?

(ख) चिड़िया बुलाने पर आलमारी में रहने के लिए क्यों नहीं आ रही ?

(ग) चिड़िया के लिए दुःख की बात क्या है ?

2. कविता के अंशों को वाक्यों के रूप में लिखिए -

कविता के अंश वाक्य

(क) आई आँधी जोर शोर से - जोर शोर से आँधी आई।

(ख) डालें टूटी हैं झकोर से - .....

(ग) हमने खोला अलमारी को - .....

(घ) बुला रहे हैं बेचारी को - .....

3. महादेवी वर्मा की ही एक और कविता नीचे दी गई है -

मेह बरसने वाला है,

मेरी खिड़की में आ जा तितली।

बाहर जब पर होंगे गीले,

धुल जाएंगे रंग सजीले।

झड़ जाएगा फूल, न तुझको,

बचा सकेगा छोटी तितली।

खिड़की में तू आ जा तितली।।

(क) इस कविता पर दो सवाल बनाइए ।

(ख) इस कविता को संवादों की तरह लिखिए।

(ग) इस कविता पर चित्र बनाइए।

4. **सोच-विचार**: बताइए -

(क) आप किसी पेड़ के नीचे हों और जोर की आँधी आ जाए तो क्या करेंगे ?

(ख) जिसका घोंसला उड़ गया हो, आप उस चिड़िया की मदद के लिए क्या-क्या करेंगे ?

(ग) आँधी आने पर चिड़िया के अलावा और कौन-कौन से जीव-जंतु दुःखी हुए होंगे?

(घ) घोंसला उड़ जाने पर चिड़िया के सामने क्या-क्या समस्याएं आई होंगी ?

(ङ) तुम्हारे आस-पास जोर की आँधी आने पर क्या-क्या होता है ?

(च) चिड़िया अपना घोंसला उड़ने और अंडे फूटने से दुःखी है। उसका दुःख यह भी है कि अपना दुःख किससे कहे ? क्या आपको कोई ऐसी घटना याद है जब आप दुःखी हुए -

- उस घटना के बारे में बताइए।
- आपने अपने दुःख की बात किससे कही थी ?

5. **भाषा के रंग** -

दिए गए निर्देश के अनुसार चिड़िया शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाएँ -

(क) ऐसा वाक्य जिसमें पाँच शब्द ही आएँ।

(ख) ऐसा वाक्य जिसमें चिड़िया के रंग का भी उल्लेख हो।

(ग) ऐसा वाक्य जिसमें चिड़िया शब्द के साथ 'अगर' भी आए।

6. **आपकी कलम से** -

(क) इस कविता की रचना सुश्री महादेवी वर्मा ने की है। महादेवी वर्मा को पशु-पक्षियों से बहुत प्रेम था। उन्होंने अपने घर में गाय, हिरण, गिलहरी, कुत्ता, नेवला जैसे तमाम पशु-पक्षी पाल रखे थे, जिनके नाम गौरी, सोना, रोजी, निक्की आदि रखे थे।

- आपके घर में कौन-कौन से जानवर पाले गए हैं ?

- उनको किस-किस नाम से बुलाते हैं ?
- उनकी दो-दो खास बातें लिखिए।

(ख) क्या-क्या कठिनाई होगी -

- अपना घर न होने पर हम लोगों को स पेड़ न होने पर चिड़ियों को

(ग) कविता में आया है 'कैसे फूटे अंडे जोड़े'। फूटा अंडा जोड़ा नहीं जा सकता पर हमारे आस-पास बहुत सी ऐसी टूटी-फूटी चीजें होती हैं, जिन्हें जोड़ा जा सकता है। सोचकर लिखिए - आपके घर में ऐसी कौन-कौन सी चीजें हैं जिन्हें टूटने-फूटने के बाद भी मरम्मत द्वारा जोड़ा जा सकता है ?

(घ)दिए गए चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए। प्रत्येक चित्र के आधार पर एक-एक अनुच्छेद इस क्रम में लिखिए कि एक कहानी का रूप बनता जाए।

7. **मेरे दो प्रश्न:** कविता के आधार पर दो सवाल बनाइए -

8. इस कविता से -

(क) मैंने सीखा - .....

(ख) मैं करूँगी/करूँगा - .....

कितना सीखा-1

1. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए -

(क) जग के प्रकाश का स्वामी किसको और क्यों कहा गया है ?

(ख) पानी को बचाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं ?

(ग) शेर गुफा के अंदर है या नहीं, इसको पक्के तौर पर जानने के लिए लोमड़ी ने क्या किया ?

(घ) गांधी जी किस भूल के लिए जीवन भर पछताते रहे और उसके लिए उन्होंने क्या सुझाव दिए ?

2. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) चमक रहा है तेज तुम्हारा,

बन कर लाल सूर्य- मंडल,

फैल रही है कीर्ति तुम्हारी,

बन करके चाँदनी धवल।

(ख) आँधी आई जोर-शोर से,

डालें टूटी हैं झकोर से।

उड़ा घोंसला, अंडे फूटे,

किससे दुःख की बात कहेगी!

अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी ?

3. नीचे दिए गए शब्दों में ‘सु’ तथा ‘कु’ उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए और उनके अर्थ भी लिखिए -

पात्र, मार्ग, योग, मति, बुद्धि, रुचि

4. वर्तनी शुद्ध कीजिए -

खुसबू, कलिया, निसान, परान, मेना, गोरेया, सवास्थय, घोशला

5. नीचे दिए गए शब्दों में से संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया शब्दों को अलग-अलग

छाँटकर लिखिए -

सुनाया, युवक, मीठा, जुम्मन, धार्मिक, देखा, वह, भलाई, उसने, भला

6. ‘बोलने वाली गुफा’ कहानी को अपने शब्दों में सुनाइए।

अपने आप-1

डेजी की डायरी

मंगलवार, 21 अगस्त

आज सुबह सोकर उठीतो तेज बारिश हो रही थी। बाहर आकर देखा तो सड़क पर पानी ही पानी था। कुछ लोग छाता लगाए, कुछ बरसाती ओढ़े तो कुछ यूँ ही भीगते हुए सड़क पर आ जा रहे थे। अरे! आज मैं स्कूल कैसे जाऊँगी - मैंने सोचा। वहाँ भी तो पानी ही पानी भरा होगा। तब तक माँ आ गई। उन्होंने बताया स्कूल में आज छुट्टी हो गई है। टीचर दीदी का फोन आया था। तब क्या किया जाए? मैंने सोचा। बारिश में बाहर भी तो नहीं निकल सकते। मैने भैया को बुलाया और बनाया एक प्लान। भैया ने बनाई कागज की नाव तो मैने बनाया बारिश का चित्र। भैया ने आँगन में जाकर तैराई नाव। मैंने कमरे में लगा दिया बारिश का चित्र। तुम्हारे चित्र में मेरी नाव तो है ही नहीं - भैया बोला। चित्र में नाव थी लेकिन अब वह तैरकर आगे चली गई है - मैंने कहा।

शुक्रवार, 24 अगस्त

आज मेरी सबसे प्यारी दोस्त गुलनाज़ का जन्मदिन है। उसने मुझे फोन पर मैसेज भेजा है। जरूर आने को कहा है। मैं बहुत खुश हूँ। मैंने उसके लिए एक बहुत प्यारा ग्रीटिंग कार्ड बनाया है। वह देखेगी तो बहुत खुश होगी।

रविवार, 26 अगस्त

आज रविवार है। छुट्टी का दिन। पर मुझे बहुत सारे काम हैं। सबसे पहले आज मुझे गुरवचन चाचा से मिलना है। वे पत्रकार हैं। गुरवचन चाचा मुझे बताएंगे कि समाचार कैसे लिखे जाते हैं और साक्षात्कार कैसे लिया जाता है।

शिक्षक निर्देश: बच्चों को इसी प्रकार डायरी लिखने के लिए प्रेरित करें